प्रेस-विज्ञप्ति

परिवहन सचिव श्री दानिश अशरफ और दीव समाहर्ता श्रीमती सलोनी राय ने 'माहा-चक्रवात' की तैयारियों के लिए होटल, फिशिंग एशोसियेशन, वरिष्ठ नागरिकों और टेलीकॉम कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

प्रशासन 'जीरो हार्म, जीरो कैजुअल्टी' के लिए पूरी तरह मुस्तैद है: श्री दानिश अशरफ

दीव 05 नवम्बर, 2019: दीव समाहर्तालय सभागार में आज संघ प्रदेश के परिवहन सचिव श्री दानिश अशरफ और दीव समाहर्ता श्रीमती सलोनी राय ने 'माहा-चक्रवात' की तैयारियों के लिए होटल, फिशिंग एशोसियेशन, वरिष्ठ नागरिकों और टेलीकॉम कंपनियों के साथ बैठक की। इस बैठक में दीव एस.पी. श्री हरेश्वर स्वामी, दीव के उप-समाहर्ता श्री हरमिंदर सिंह, दीव एस.डी.पी.ओ. श्री रविन्द्र शर्मा के साथ दीव जिला होटल एशोसियशन और फिशिंग एशोसियशन के सदस्यों के साथ-साथ वरिष्ठ नागरिक और टेलीकॉम कंपनी के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

बैठक में दीव समाहर्ता ने बताया कि आने वाले चक्रवात से निपटने के लिए प्रशासन पूरी तरह तैयार है। एन.डी.आर.एफ. की दो टीमों ने मोर्चा संभाल लिया है जबकि तीन और टीमें आनेवाली है। जिला प्रशासन ने आठ राहत शिविरों की स्थापना की है जिसमें तकरीबन 3000 लोगों को सुरक्षित रखा जाएगा। इन शिविरों में भोजन, जल, दवा, चिकित्सा-व्यवस्था और बिजली का पूरा प्रबंध किया गया है। चूँकि आई.एम.डी. की चेतावनी के अनुसार चक्रवात 6 नवम्बर की शाम को दीव से टकरायेगा तो उसके पहले सभी लो-लाइंग क्षेत्रों को खाली कराया जाएगा। इसमें मुख्यत: घोघला और बणांकबारा क्षेत्र शामिल है। हवा की गति 90 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने की संभावना है।

संघ प्रदेश के परिवहन सचिव श्री दानिश अशरफ ने प्रशासन की तैयारियों के साथ-साथ दीव के होटल एवं फिशिंग एशोसियशन से भी सहायता की पेशकश की ताकि आपदा की इस स्थिति में सभी लोग मिलकर दीव को सुरक्षित रख सकें। होटल एशोसियशन ने आपदा की इस घड़ी में प्रशासन के साथ कदम-से-कदम मिलाकर चलने के लिए हामी भरी। होटल एशोसियशन ने प्रत्येक राहत शिविर में भोजन, नाश्ता, बिस्किट, पानी और दूध उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी ली। फिशिंग एशोसियशन ने बचाव एवं सफाई कार्य के लिए स्वयंसेवी उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी ली। परिवहन सचिव ने सभी उपस्थितों को धन्यवाद देते हुए इसी तरह मिलकर काम करने की सलाह दी और कहा कि यह जज्बा निश्चय ही एक मिसाल साबित होगा। उन्होंने कहा कि प्रशासन 'जीरो हार्म, जीरो कैजुअल्टी' की तर्ज पर कार्य कर रहा है और लोगों तक सुरक्षित रहने का संदेश भी पहुँचाया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे भी दूसरों को सुरक्षित स्थानों पर रहने की जानकारी दें। आपदा की स्थिति में सावधानी ही सबसे सटीक उपाय है।

दीव समाहर्ता ने चक्रवात के गुजरने के बाद पुन: दीव की साफ-सफाई को चाक-चौबंद करने के लिए नियमित तौर पर स्वच्छता अभियान चलाये जाने की जानकारी दी। उन्होंने टेलीकॉम कंपनियों के प्रतिनिधियों को विशेष दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि आपात स्थिति में सभी टेलीकॉम कंपनियां अपने टॉवर्स को सुधार ले और वहां जेनरेटरों की व्यवस्था सुनिश्चित कर लें। किसी भी स्थिति में संचार-व्यवस्था बाधित नहीं होनी चाहिए। साथ ही टेलीफोन टावरों से खतरनाक वस्तुओं को दूर कर दें ताकि तेज हवा के आने पर टावर को कोई खतरा न हो। डीजल आदि के प्रबंध का आदेश भी जारी किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि कल सुबह दीव के लो-लाइंग एरिया से सभी लोगों को खाली कराकर सुरक्षित नजदीकी शिविरों तक पहुँचाया जाएगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि अगर उनके पास कोई मवेशी या पालतू जानवर है तो कृपया उसे बांध कर न रखें ताकि आपात स्थिति में वे खुद सुरक्षित स्थलों पर चले जायें। उन्होंने विभिन्न होर्डिंगों को हटाने की हिदायत भी दी।